तर्ज--ये जिंदगी उसी की है

ये आशिकी उन्ही की है, जो हमारे है पिया
हमको इश्को इलम दिया

1--दूर क्या नजीक क्या, कहने की ये बात है
मेरे धनी से तो मेरा, हमेशगी का साथ है
एक दूजे के हम, मेरे पिया की ये रसम

2--तुम सदा इस तरह, मेरे दिल में हो पिया
जब झुकाया सर जरा, और तुमको देख लिया
कौन समझेगा यहां, ये अनोखी दास्तां

3--आपके दिल में पिया, इश्क है गंजान गंज
ये वो सागर है पिया, जिसकी है तरंगें हम
आपमें मिल जायें हम, हम मे या समाओ तुम

Nijanand App